



Pankaj Shahi

04 Mar 1973

Model: Numerology-Report

Order No: 120285701

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 120285701

Date: 23/11/2025

नाम	Pankaj Shahi
जन्म तिथि	04/03/1973
मूलांक	4
भाग्यांक	9
नामांक	6
मूलांक स्वामी	हर्षल/राहु
भाग्यांक स्वामी	मंगल
नामांक स्वामी	शुक्र
मित्र अंक	1, 8, 9
शत्रु अंक	3, 5
सम अंक	2, 6, 7,
मुख्य वर्ष	1984,1993,2002,2011,2020,2029,2038,2047
शुभ आयु	11,20,29,38,47,56,65,74
शुभ वार	रवि, सोम, शनि
शुभ मास	जन, अप्रै, अग
शुभ तारीख	4, 13, 22, 31
शुभ रत्न	गोमेद
शुभ उपरत्न	काला हकीक
अनुकूल देव	गणेश
शुभ धातु	सीसा
शुभ रंग	काला
मंत्र	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः
शुभ यंत्र	बुध यंत्र

9	4	11
10	8	6
5	12	7



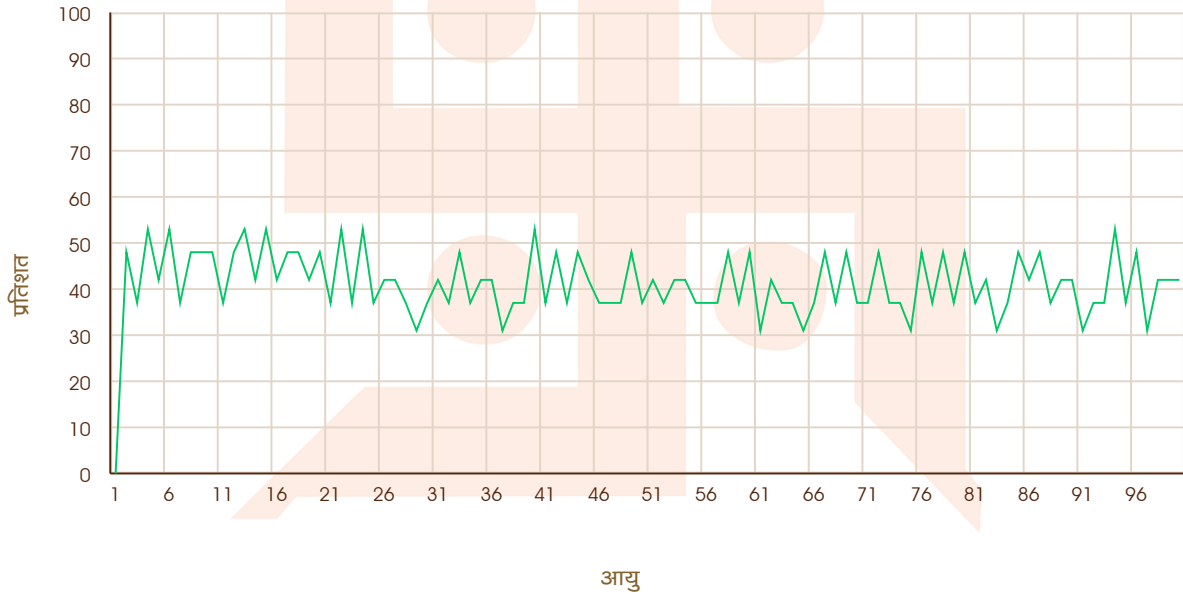
FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंकों से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 1984, 1993, 2002, 2011, 2020, 2029, 2038, 2047

शुभ आयु 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65, 74

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक चार होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक चार होता है। इसका स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मतानुसार हर्षल को माना गया है। मूलांक चार के प्रभाववश आप अपने जीवन में सहसा एवं आश्चर्यजनक प्रगति प्राप्त करेंगे। आपके जीवन में कई असंभावित घटनायें भी घटेंगी। एकाध घटनायें ऐसी भी घटित होंगी जो कि आपका कैरियर बदल देंगी। आप एक संघर्षशील व्यक्ति के रूप में जाने जायेंगे। आपकी विचार धारा भी आम धारणा से प्रायः अलग होगी। जमाने से आप काफी आगे की सोच रखेंगे तथा अपना विरोध प्रकट करने की आदत के कारण आप अपने आलोचक स्वयं तैयार करेंगे।

पुरानी प्रथाओं, रीतियों के विरोधी रहेंगे तथा उनमें सुधार करने की पूरी कोशिश करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में पुरानी प्रथाओं को नवीन रूप में ढालने की भी कोशिश करेंगे। अपने जीवन में आप धन संग्रह अधिक नहीं कर पायेंगे, लेकिन नाम, यश अधिक प्राप्त करेंगे। समाज में आमूल-चूल परिवर्तन देखना आपका स्वभाव रहेगा। यदि आप अपनी संघर्ष करने की प्रवृत्ति पर अंकुश रखकर सहनशील तथा सहिष्णु बन सकें और शत्रुता कम पैदा करेंगे तो अपने जीवन में अधिक सफलता अर्जित करेंगे।

आपकी विचार धारा सुधार वाली होने से आप समाज में अच्छी ख्याति प्राप्त करेंगे। लेकिन यह ख्याति स्थिर नहीं रहेगी कभी तो उच्चता के शिखर पर होगी और कभी मन्द। अतः आपको निरन्तर कार्य में लगे रहना पड़ेगा और नये-नये परिवर्तन, अज्ञविष्कारों द्वारा अपना नाम रोशन करते रहना होगा।

स्वास्थ्य आपका साधारणतः उत्तम रहेगा, लेकिन कभी-कभी अत्यधिक श्रम एवं मानसिक थकान के कारण सिरदर्द, गर्मी से उत्पन्न रोग, मानसिक तनाव आदि का सामना करना पड़ेगा।

भाग्यांक नौ का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगे। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगे, जहाँ आपकी हूकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगे। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो। विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगे। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगे।

आपका मूलांक 4 है तथा आपका भाग्यांक 9 है। मूलांक 4 का स्वामी हर्षल है

तथा भाग्यांक 9 का स्वामी मंगल है तथा मूलांक 4 तथा भाग्यांक 9 के बीच सम संबंध है। इसके प्रभाववश आपको मूलांक एवं भाग्यांक के मिलेजुले फल प्राप्त होंगे। कभी आपका मूलांक फल देगा, तो कभी आपका भाग्यांक। रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में आप साहसिक कार्यों से धनार्जन करेंगे। आपको ऐसे ही कार्य पसंद आएंगे जो चुनौतीपूर्ण तथा जोखिम से भरे हों। आपकी कार्य करने की शैली स्वतंत्र विचारधारा की रहेगी एवं मुखिया के रूप में आप अपने कार्यक्षेत्र में विशेष सफलता प्राप्त करेंगे। तकनीकी तथा ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्रों में आपकी विशेष रुचि रहेगी। यदि आप किसी भी तकनीकी क्षेत्र को अपना कार्यक्षेत्र चुनते हैं, तो निश्चित ही आपको सफलता अर्जित होगी। आप युवा अवस्था से ही धनार्जन करने लगेंगे एवं प्रौढ़ावस्था तक आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी हो जाएगी। आप अपने जीवन में भूमि संपदा काफी अर्जित करेंगे एवं इनका सुख भी भोगेंगे। आपकी सामाजिक स्थिति उच्च कोटि की बनेगी एवं आप समाज में मान-सम्मान भरा जीवन प्राप्त करेंगे।

आपका भाग्योदय 27 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ हो कर 36 वर्ष की अवस्था पर आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी तथा 45 वर्ष की अवस्था पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 4 का 1 एवं 8 से मित्रता है तथा भाग्यांक 9 की 3 एवं 6 से मित्रता है। अतः आपके जीवन में 1, 3, 4, 6, 8, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनमें आपके जीवन की कुछ महत्वपूर्ण घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में, आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, मार्च, अप्रैल, जून, अगस्त, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे। आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, वर्ष, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 4 एवं भाग्यांक 9 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 1, 3, 4, 6, 8, 9 हो, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 3, 4, 6, 8, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

- 1 . 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73
- 3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75
- 4 . 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67
- 6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69
- 8 . 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71
- 9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Pankaj Shahi
8+1+5+2+1+1 3+5+1+5+1
नाम का योग : 33 नामांक : 6

आपके नाम का कुल योग तैंतीस है। तीन एवं तीन के योग से छह आपका नामांक होता है। अंक तीन का स्वामी गुरु एवं नामांक छह का स्वामी शुक्र ग्रह है। इन दोनों ही ग्रहों के प्रभाव आपके नाम को संचालित करेंगे। गुरु के प्रभाव से आपका नाम काफी विस्तृत क्षेत्र में पहचान स्थापित करेगा। आपका नाम दूर-दूर तक प्रसारित होगा एवं रहन-सहन की परिस्थितियों के अनुसार दूरस्थ देशों के व्यक्तियों के मध्य आप लोकप्रिय होंगे। नामांक स्वामी शुक्र के प्रभाव से कला जगत में आपको लोकप्रियता प्राप्त हो सकती है। आपकी विभिन्न कलाओं में स्वाभाविक रुचि रहेगी एवं अच्छे अवसर यदि आपको कला के क्षेत्र में प्राप्त होते हैं तो आप उच्चकोटि की सफलता प्राप्त करेंगे तथा आपका नाम लोकप्रिय व्यक्तियों के रूप में जाना जाएगा। शुक्र ग्रह अच्छी भौतिक संपदा देता है। अतः आपको नामांक के प्रभाव से सांसारिक भौतिक सुख सुविधाएं उत्तम प्राप्त होंगी।

आपके नाम का नामांक 6 है। आपके नामांक का आपके मूलांक 4 से सम संबंध तथा भाग्यांक 9 से मित्र संबंध है। इसके प्रभाववश आपका नाम आपके भाग्य से अच्छी सफलताएं अर्जित करने में सफल होगा। आपके भाग्यांक का पूर्ण सहारा आपको प्राप्त होगा और आप समाज के विभिन्न क्षेत्रों में नाम तथा यश प्राप्त करने में सफल रहेंगे। भाग्यांक के प्रभाव से आपको वांछित सफलताएं भाग्यांक के अंकों की आयु पर प्राप्त होंगी। मूलांक से सम संबंध होने के कारण आपको मूलांक के अंकों का प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में प्राप्त होगा। अतः आप चाहें तो मूलांक का पूर्ण प्रभाव प्राप्त करने हेतु अपने नाम में आंशिक परिवर्तन कर सकते हैं। जिससे आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही अच्छे संबंध बन जाएं।

आपके नामांक का आपके मूलांक 4 से मिलान ठीक नहीं है, लेकिन भाग्यांक 9 से मिलान हो रहा है। मूलांक से मिलान न होने के कारण आपका नाम पूर्णतः सफल नहीं हो सकेगा और जीवन में संघर्ष, अवनति आदि की वृद्धि करेगा। आप अपने नाम का पूर्ण शुभ फल पाने हेतु अपने नाम को नामांक से भी मिलान करना अच्छा रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव करें जिसका नामांक आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से मिलान करे तथा उसका नामांक 4 आता हो और 5 न हो तो ऐसा नाम आपको अच्छी सांसारिक सफलताएं देगा। नाम परिवर्तन

हेतु आपके लिए 6,8,9 अंक शुभ रहेंगे तथा 7,1,3 अंक अशुभ रहेंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटाना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28=9$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लोशु फल

4 4 4	9 9 9	
3 3 3		7 7
	1 1	

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में अंक एक केवल एक ही बार उपस्थित है। अतः आप अपनी अंतस्थ भावनाओं को कठिनता से व्यक्त कर पाते हैं या अपने भीतर के विचार व्यक्त करने में असमर्थ होते हैं। अन्य क्षेत्रों में आपका आचरण भले ही अच्छा हो किन्तु अपने व्यक्तित्व के अंतस्थ भाग को प्रकट करते समय आप व्याकुलता का अनुभव करते हैं और मन की बात कहने में हिचकिचाते हैं। दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी आप प्रायः ठीक प्रकार से समझने में कठिनाई महसूस करते हैं। आपके लिए दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण की प्रशंसा कर पाना भी थोड़ा मुश्किल होता है। विषाद एवं अकेलापन आपको आसानी से घेर लेता है। आप आंकड़ों एवं तथ्यों को इकट्ठा करने तथा संजोने में काफी ध्यान देते हैं, जिससे समय की बर्बादी होती है, तथा कार्य पूर्ण होने में अनावश्यक विलम्ब होता है। सतत विकाश एवं वृद्धि के लिए आपको शांत एवं

सौहार्दपूर्ण वातावरण की आवश्यकता होती है। आप नौकरी अथवा व्यवसाय में काफी हद तक सफल होते हैं, लेकिन व्यावहारिक रूप से दूसरों को न समझा पाने के कारण, या अपनी बातों को स्पष्ट न कर पाने के कारण कुछ असफलता का सामना भी करना पड़ता है।

अंक 2 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 2 का अंक अनुपस्थित है, अतः आप में अंतर्ज्ञान व सूक्ष्म चेतना का अभाव होता है, आप अपनी बात आत्मविश्वास से नहीं कह पाते। फलस्वरूप आप अपनी निश्चल व शांत अंतरात्मा की आवाज को न मानकर कई गलतियां करेंगे, आप अधीर और समय के पाबंद नहीं होते। ऐसे जातकों में अपनी गलती मान लेने की बजाय अपने कार्य को सही ठहराने की प्रवृत्ति होती है, आपमें संवेदनशीलता नहीं होती है, और दूसरों की मदद नहीं कर पाते हैं, आपमें पूर्वाभास अंतर्ज्ञान शक्ति की कमी रहती है। आप अपने दिमाग को किसी चीज पर केंद्रित नहीं कर पाते, कोई भी निर्णय जल्दी नहीं ले पाते, आप दूसरों की भावनाओं की कदर भी नहीं करते हैं। आप अपने मन की बात न सुनकर छोटी-छोटी गलतियां करते रहते हैं, आत्म विश्वासहीनता व दूसरों पर विश्वास की कमी जैसी विशिष्टताओं से पीड़ित रहते हैं, आपको अपने मन पर काबू रखना चाहिए। दूसरों की भावनाओं की कदर करनी चाहिए, और अपनी गलती माननी चाहिए। ऐसे जातकों को चाहिए कि जीवन में समता हासिल करना सीखें।

अंक 3 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में तीन अंक दो बार उपस्थित है। अतः आपकी कल्पनाशक्ति तीव्र होती है, आप मानसिक रूप से बहुधा चौकस व क्रियाशील होते हैं, आप सम्मेलनों का आनंद लेते हैं और थोड़े अलौकिक प्रतीत होते हैं, आप कभी-कभी तनिक सनकी भी प्रतीत होते हैं और प्रायः पुराने रीति-रिवाजों का खंडन करना पसंद करते हैं, अपने विचारों को व्यक्त करने और अपनी क्रियात्मक विचार-शक्ति को दिशा देने के सामर्थ्य के कारण इस समीकरण वाले आप कई बार ले खक भी बन जाते हैं। आप हमेशा ऊर्जा एवं आत्म विश्वास से ओत-प्रोत रहते हैं, और योग्यता एवं कल्पनाशीलता के दम पर सफलता प्राप्त करते हैं, आप जिस भी पेसे में होते हैं, अपना मार्ग सफलतापूर्वक स्वयं बना लेते हैं। आप अपनी रचनात्मक कल्पना और विचारों को शब्दों में व्यक्त करने में सक्षम होते हैं। आप बड़े स्वाभिमानी होते हैं। किसी के आगे झुकना आपको पसंद नहीं होता। आप किसी का एहसान नहीं लेना चाहते और किसी का बेवजह हस्त क्षेप पसंद नहीं करते। आपको अपनी स्वतंत्रता से समझौता करना पसंद नहीं होता। इस मूलांक वाले व्यक्ति साहसी, वीर, शक्तिशाली, अविचल, संघर्षशील, श्रमजीवी तथा कष्टों से हार न मानने वाले होते हैं।

अंक 4 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में चार अंक दो बार उपस्थित है। अतः आप अनात्मवादी व पदार्थवादी उद्योगों में दूसरे क्रिया-कलापों की अपेक्षा अधिक रुचि लेते हो। अपने प्रबंधन चातुर्य के कारण आप जिस भी कार्य को प्रारम्भ करते हो, उसे पूर्ण करके ही छोड़ते हो भले ही वह कार्य कितना भी मुसकिल क्यों न हो। आप व्यवस्थित, शुद्धमति व यथार्थवादी हैं और आप में रचनात्मक क्षमता

है। हस्तकौशल में प्रवीणता के चलते नयनाभिराम वस्तुएं बनाना पसंद करते हैं। आप बुद्धिपरक, गणनात्मक, विश्लेषणात्मक, और वाणी प्रधान कार्यों में सफलता पाते हो। आपकी बौद्धिक क्षमता अच्छी होती है, जिससे कि आप अच्छे और बुरे में फर्क कर पाने में सफल होते हैं, आप अपने जीवन में अच्छे वक्ता, कवि और शिक्षक बनते हैं चित्रकला में निपुण होते हैं। आपको आलस्य से नफरत होती है, आपके काम पूर्ण रूप से व्यवस्थित एवं रचनात्मक होते हैं, आपको सौंपा गया कोई भी कार्य समय से पूरा होता है।

अंक 5 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 5 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप लक्ष्य निर्धारण में कठिनाई का अनुभव करते हैं, और आपमें बहुमुखी प्रतिभा व इच्छा शक्ति का अभाव होता है। आप वार्तालाप करने में असफल, पढ़ने में मन न लगाना व पैसे का अभाव बना रहता है। आप जल्दी ही धैर्य छोड़ देते हैं, सफलता भी आसानी से नहीं मिलती, क्योंकि इनका बात करने का ढंग अच्छा नहीं होता है। चोट-चपेट और दुर्घटनाओं का दुर्योग बनता है। शस्त्राघात व दुर्घटना की संभावना जीवन में हमेशा रहती है। आपको हमेशा ही वाहन आदि सावधानी से चलने चाहिए। आपको अपने व्यक्तिगत जीवन में कई चुनौतियों और उतार-चढ़ावों का सामना करना पड़ता है। कई कार्यों में असफलता प्राप्त होती है, आपके पारिवारिक जीवन में उथल-पुथल मची रहती है। आपको दूसरों से सतत प्रेरणा की आवश्यकता होती है। ऐसे में आपको चाहिए कि यथार्थ लक्ष्य को निर्धारित करना सीखें, और उसे प्राप्त करने के पश्चात् ही अगले लक्ष्य की ओर बढ़ें। अंक पांच की चार्ट में अनुपस्थिति सामान्य है।

अंक 6 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 6 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप स्वयं में आत्म-समर्पण की भावना उत्पन्न करें, आपमें अपनी अन्तर्भावनाओं को दूसरों से छिपाकर रखने की प्रवृत्ति होती है। इस प्रवृत्ति का कारण होता है, अपने माता अथवा पिता के साथ जीवन के प्रारम्भ में अच्छे सम्बन्ध, फलस्वरूप आपको तब तक अपने संबंधों में अनिश्चयता का सामना करना पड़ता है। जब तक कि आप हृदय से उन्मुक्त व उदार होना नहीं सीख लेते हैं। चिंता और तनाव आप लोगों के लिए विषमताओं के कारण हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, आपको पारिवारिक सहयोग मिलने में परेशानी आती है। आपका भी बच्चों और परिवार के प्रति लगाव कम होता है, आप लोगों की मदद तो करते हैं। लेकिन खुद के लिए मदद नहीं मिलती, दोस्तों की मदद नहीं मिलती, आपको भौतिक तथा पारिवारिक सुख व भोग विलास की कमी रहती है। आप जीवन के सकारात्मक पक्ष की अपेक्षा नकारात्मक पक्ष की ओर अधिक ध्यान देते हैं। आपको कभी भी विदेश से सम्बंधित काम नहीं करना चाहिए।

अंक 7 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में सात अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप प्रेम, स्वास्थ्य अथवा संपत्ति खोकर जीवन का गूढ़ अनुभव प्राप्त करते हैं, कड़वे अनुभवों से सिखने के कारण आपका झुकाव अधिकाधिक आध्यात्मिक अथवा आत्म-ज्ञान की ओर हो जाता है। आप आंतरिक बातों को

समझने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। आपके शरीर के निचले अंगों में चोट लगने अथवा रोग की प्रायः संभावना रहती है। आप किसी भी कार्य को स्वयं करने में समर्थ होते हैं। आप अव्यवहारिक, अत्यधिक कल्पना, और भयभीत रहते हो, जिस कारण आपको रोजमर्रा की जिंदगी में अच्छी तरह से काम करना मुश्किल हो जाता है। कई बार आपकी अत्यधिक स्पष्टवादिता एवं अपनी पहचान का अहम कई बार आपको दूसरों का गुलाम बना देता है। आपकी स्मरणशक्ति कमजोर होती है, इस कारण आप दैनिक जीवन के कार्यों में कठिनाता का अनुभव करते हैं।

अंक 8 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 8 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप अपने वित्तीय प्रबंधन में कुशल नहीं होते, आप या तो बिलकुल ही लापरवाह होते हैं, अथवा दूसरों के प्रति ज्यादा विश्वस्त होते हैं। फलस्वरूप रुपये-पैसे के मामलों में कष्ट प्राप्त करते हैं, आपमें निर्णय शक्ति की कमी व भौतिक साधनों का अभाव रहता है। लक्ष्य-निर्धारण की भी कमी होती है, और कार्य को हाथ में लेकर अधूरा छोड़ने की प्रवृत्ति भी, आपको प्राकृतिक जल्दबाजी को नियंत्रण करने, और अभिनय से पहले सोचने के लिए सिखने की जरूरत है। आप अनुशासित नहीं होते हैं, आप अपने पैसों का हिसाब नहीं रख पाते, जैसे कितना कमाया, कितना लगा और क्या बचा है। आप अधिक मेहनत करने में विश्वास नहीं रखते, आपकी अत्यधिक महत्वाकांक्षा एवं भौतिकवादी सोच आपके लिए तनाव एवं अवसाद का कारण बनती है। आपमें जल्दी स्थिरता नहीं आती, और जीवन में जल्दी से पैसा कमाना चाहते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि आप अपनी इस स्वेच्छा की प्रवृत्ति का त्याग करें, और कुछ करने से पूर्व विचार करने की आदत का विकास करें।

अंक 9 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक दो बार उपस्थित है। अतः आप आदर्शवादी, बुद्धिमान परन्तु कभी कभी दूसरों के लिए समस्याजनक होते हैं लेकिन आप अत्यधिक बुद्धिमान होते हैं। अतएव कभी कभी ऐसे लोगों को हेय दृष्टि से देखते हैं जो उन जैसे बुद्धिमान नहीं हैं। आप खास तौर पर उन कार्यों में सफल होते हैं, जहाँ कल्पनाशीलता, कलात्मकता, एवं रचनात्मकता की आवश्यकता होती है। कभी कभी बिना किसी उद्देश्य एवं स्वार्थ के काम करने वाले, यह लोग मानवता की सच्ची सेवा करने वाले होते हैं। आपको अच्छे अवसर प्राप्त होते हैं तथा दूसरों की सहायता आपको प्राकृतिक रूप से मिलती रहती है। जिससे आपका जीवन तो सफल होता ही है, साथ ही यह दूसरों के लिए भी काफी उपयोगी होता है, प्रायः आप घर के बड़ों के प्रभाव में होते हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि आप समाज के सब स्तरों के लोगों से सामान मेल-जोल रखें।

केंद्र के चार अंको (9, 3, 1, 7) की उपस्थिति -

आपके लोशु चार्ट में केंद्र के चार अंक (9, 3, 1, 7) उपस्थित है। अतः यह अत्यंत शुभ स्थिति बनती है, आप तीव्र बुद्धि के दयावान, नई-नई अचीवमेंट हासिल करने वाले होते हैं। आप अपना लक्ष्य निर्धारण करके चलते हैं, इसलिए जॉब और विजनेस दोनों में ही सफलता प्राप्त कर लेते हैं। लेकिन व्यावसायिक गतिविधियों में अच्छी सफलता प्राप्त करते हैं। आपके ऊपर भगवान

का पूरा आश्रीवाद बना रहता है, एक के बाद एक चीज प्राप्त होगी, आप निष्ठावान भावुक और दूसरों की मदद करने वाले हैं। आपमें दूसरों की भावना समझने की योग्यता है। आप कठिन एवं मुश्किल परिस्थिति में नहीं घबराते, आप बेहद चतुर कूटनीतिज्ञ, राजनीतिज्ञ होते हैं। केंद्र स्थानों में पहला केंद्र 9 अंक है, जिसके स्वामी ग्रह मंगल हैं, जो पराक्रम के कारक, दूसरा केंद्र 3 अंक है। जिसके स्वामी गुरु हैं, जो ज्ञान के कारक हैं, तीसरा केंद्र 1 अंक है, एक अंक सूर्य का प्रतिनिधित्व करता है, और सूर्य आत्मबल के कारक हैं, चौथा केंद्र 7 अंक है जो केतु का प्रतिनिधित्व करता है, और केतु है अध्यात्म, इस प्रकार इन चारों केंद्रों का भरा होना आपके लिए अत्यंत शुभता की स्थिति बना रहा है।

निराशाओं के अंक - 8. 5 व 2

आपके लोशु चार्ट में 8. 5 व 2 अंकों की अनुपस्थिति है। अतः यह अंक बहुत-सी निराशाओं व असफलताओं को इंगित कर रहा है। आपके भावुक धरातल पर कोई भी अंक मौजूद नहीं है, जिसके कारण जीवन के इस क्षेत्र में सुरक्षा की कमी है। आप अत्यधिक भावुक हो, तथा आसानी से आहत भी हो जाते हैं, एक काम को अधूरा छोड़कर दूसरा आरम्भ करना हानि देगा। आपके जीवन में कई उलझने आती हैं तथा मानसिक परेशानियां रहती हैं। जीवन में आकस्मिक हानि तथा स्वास्थ्य में बिगाड़ होने की आशंका रहती है। गृहस्थ जीवन कम सफल रहता है। कई बार आपको शराब आदि नशों की लत भी लग जाती है। जिसके कारण आपका जीवन कष्टमय हो जाता है, और जीवन निराशाओं से भर जाता है। प्रत्येक क्षेत्र में हानियां उठनी पड़ती हैं। पूर्व में आपको निरंतर असफल समझा जाता है, लेकिन आपको प्रत्येक अनुभव से शिक्षा लेनी चाहिए और कोई कार्य करने से पहले सोच-विचार कर लेना चाहिए।

जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमानी भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आपें क्षमता होती है। तेज़ नज़र, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

पृथ्वी तत्व अंक - 2, 5, 8 की अनुपस्थिति

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्व की अनुपस्थिति है। अतः आप अत्यधिक भावुक होते हैं तथा आसानी से आहत भी हो जाते हैं। आप एक काम को अधूरा छोड़कर दूसरा काम आरम्भ कर देते हो। आपके जीवन में कई उलझने आती हैं तथा मानसिक परेशानियां रहती हैं। आपको अपनी बातों पर विश्वास नहीं होता और धैर्य की कमी होती है। कई बार आपको शराब आदि नशों की लत भी लग जाती है। जिसके कारण आपका जीवन कष्टमय हो जाता है। एकाग्रता की कमी होती है जिस कारण कार्य व्यवसाय में कम ही सफलता मिल पाती है। आप अधिक मेहनत करने में विश्वास नहीं रखते। आपकी अत्यधिक महत्वाकांक्षा एवं भौतिकवादी सोच आपके लिए तनाव एवं अवसाद का कारण बनती है।

काष्ठ तत्त्व - अंक 3, 4

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्त्व की उपस्थिति है। काष्ठ उदार और विशाल होती है और दूसरों की गहराई से देखभाल करती है। बांस के साथ, काष्ठमजबूत होती है। फिर भी लचीली होती है और एक प्राकृतिक जन्म से नेता भी है। इसकी जड़ें पृथ्वी में गहरी खुदाई करती हैं, हालांकि, काष्ठ को जीवित रहने के लिए नमी की भी आवश्यकता होती है। काष्ठ की विशेषताएं अक्सर कामुकता और धैर्य से जुड़ी होती हैं। हालांकि, इसे संतुलित करने के लिए, काष्ठ घुसपैठ और आक्रामक भी हो सकता है। 3, अंक गुरु से और 4 अंक राहु से सम्बंधित है। ऐसे व्यक्ति लगातार विस्तार और आगे बढ़ने की तलाश में होते हैं। जटिल से जटिल कार्य को करने में सक्षम होते हैं। अपने काम को आसानी से निकाल लेते हैं।

खूबियां- यह काफी चतुर होते हैं, इनमें अच्छी समझ, गर्म, मिलनसार, दयालु, लचीला और अनुकूलनीय, स्थिर और व्यावहारिक, उदार होते हैं।

कमजोरियां - सीमाओं या सीमाओं की अच्छी समझ नहीं है, बहुत ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं, दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा कर लेते हैं।

धातु तत्त्व - अंक 6, 7

आपके लोशु चार्ट में अंक 6, 7 धातु तत्त्व की उपस्थिति है। धातु खानों में पाया जाने वाला हीरा है, यह जीवन की सांस है, 6, 7 धातु तत्त्व से सम्बंधित लोग स्वयं का सम्मान करते हैं, और दूसरों का भी सम्मान करते हैं, 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। इस तत्त्व से प्रभावित लोग मजबूत और कठोर होते हैं, लेकिन दबाव डालने पर यह अनुकूल और बदल जाते हैं। धातु को अक्षर बिना पका हुआ, कठोर और निर्धारित किया जाता है। इस तत्त्व वाले लोग न्यूनतम होते हैं, संगठित और स्वच्छ जीवन की सादगी का आनंद लेते हैं, हालांकि नकारात्मक पक्ष पर धातु भी शक्तिशाली और नियंत्रित हो सकती है, ये धातु पदार्थ है। वास्तव में आपके जीवन में जटिल या अनावश्यक भावना की आवश्यकता होती है।

खूबियां- आप साहसिक, महत्वाकांक्षी, स्वतंत्र विचारधारा, निर्धारित लक्ष्य पर चलने वाले, अनुशासित, केंद्रित, उच्च नैतिकता और उच्च मानक के गुणों से युक्त होते हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



कमजोरियां- संचार कौशल में कमी, जिद्दी, कभी-कभी अनुचित आंकना, क्रूर, निर्दयी, आसानी से संबंधों में कटौती, अतिसंवेदनशील, आदि अवगुण होते हैं।

अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालांकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालांकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालांकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। 9 अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रॉंग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमें निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और कश्मिर्माई, सहज और साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

हर्षल आपके लिए दिनांक 21 जून से 31 अगस्त तक, पाश्चात्य मतानुसार, सूर्य के कर्क एवं सिंह राशि में रहने पर तथा भारतीय मत से 16 जुलाई से 16 सितंबर तक कर्क एवं सिंह राशि में सूर्य के रहने पर हर्षल की स्थिति प्रबल मानी गयी है। इस समय जल एवं अग्नि तत्व प्रबल रहते हैं, जो हर्षल या राहु के गुण हैं। अतः उपर्युक्त समय मूलांक 4 के लिये कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने हेतु अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

किसी भी माह के रविवार, सोमवार, शनिवार आपके लिए शुभ रहेंगे। यदि आप अपना कोई भी कार्य इन दिवसों में तथा अनुकूल तारीखों में प्रारंभ करें तो आपके लिए शुभ रहेगा।

शुभ तारीखें

आपको अपने किसी विशिष्ट व्यक्ति से, उच्च अधिकारी से मिलने जाना हो या पत्र इत्यादि लिखना हो अथवा कोई महत्वपूर्ण कार्य-व्यापार आदि प्रारंभ करना हो तो किसी अंग्रेजी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखों का चुनाव करना कार्य में सफलतादायक रहेगा।

अशुभ तारीखें

किसी भी अंग्रेजी माह की 3, 5, 12, 14, 21, 23 एवं 30 दिनांक आपके लिए अशुभ फलदायी रहेंगे। अतः कोई भी रोजगार-व्यापार संबंधी या अन्य कार्य या उच्चाधिकारी या किसी विशिष्ट अधिकारी से संबंध बनाने हेतु उपर्युक्त दिनांक आपके लिए ठीक नहीं रहेंगे।

मित्रता या साझेदारी

आप अपनी मित्रता ऐसे लोगों से करें जिनका जन्म 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखों को अथवा 16 जुलाई से 16 सितंबर के मध्य हुआ हो। इन तारीखों को जन्मे लोग आपके लिए शुभ रहेंगे। ऐसे व्यक्तियों से आपकी लंबी मित्रता रहेगी तथा ये आपके रोजगार-व्यवसाय में सहायक सिद्ध होंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

मूलांक 1, 4, या 8 प्रभावी पुरुष आपकी अच्छे साथी सिद्ध हो सकते हैं। उपर्युक्त मूलांक वाले पुरुषों से आप सहज ही प्रेम संबंध स्थापित कर सकती हैं तथा उसमें सफल भी हो सकती हैं। जिनका जन्म किसी भी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखों को हुआ हो तो वे सभी पुरुष सहायक एवं लाभपूर्ण रहेंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अनुकूल रंग

यदि आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता तो आपको चाहिए कि आप नीला, धूप-छांव, भूरा मिश्रित रंग के कपड़े पहनें और हो सके तो इस रंग का रुमाल हर समय अपने पास रखें। यह रंग आपके लिए अनुकूल रहेगा। हो सके तो अपने घर की दीवारों तथा पर्दों का चयन भी इन्हीं रंगों का करें। यह रंग आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपको चाहिए कि यदि आप भवन, कॉम्पलेक्स का चुनाव करते समय दिशा का चुनाव करें तो आपके लिए नैऋत्य कोण दिशा अच्छी रहेगी। आपका शयन कक्ष नैऋत्य दिशा में होने से रोजगार-व्यापार शुभ रहेगा तथा फर्नीचर आदि का रंग नीला, धूप छांव, भूरा मिश्रित रंग रखेंगे तो आपके लिए अधिक हितकर रहेगा।

शुभ वाहन नं

आपका मूलांक 4 है। मूलांक 4 के मित्र अंक 1, 8 हैं। ये अंक आपके लिए सफलता के द्योतक हैं। यदि वाहन इत्यादि खरीदती हैं तो उसका पंजीकरण क्रमांक 1,4,8 अंकों में से रखें। उदाहरणार्थ वाहन क्रमांक 5233 = 4 इत्यादि। आपकी यात्रा का वाहन नंबर यही होने से आपकी यात्रा सफल रहेगी। अगर आप होटल में कमरा आदि बुक करवाती हैं तो उसका नंबर 103 = 4 लेना चाहिए।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आती है तभी आपको रक्तचाप दोष या जुकाम, छूत के रोग शीघ्र हो जाते हैं। रोग होने पर, अशुभ समय आने पर, कष्ट और विपत्ति के समय आप गणेश चतुर्थी का व्रत करें तथा गजानन गणपति की उपासना करें।

व्यवसाय

दारु, स्पिरिट, तेल, मिट्टी का तेल, अर्क, इत्र, रेल विभाग, वायुसेना, जलदाय विभाग, कुलीगिरी, तकनीशियन, रंगसाज, अभियांत्रिकी, नक्शानवीस, दर्जी, बढ़ई का कार्य, डिजाइन के छापे का कार्य, बाबू, टेलीफोन ऑपरेटर, स्टेनो, टाइपिस्ट, शिल्पकार, पत्रकार, संग्रहकर्ता, विद्युत कार्य, वक्ता, उपदेशक, राज्य कर्मचारी, खनिज मजदूर, ठेकेदार, मोटर चालक आदि।

व्रतोपवास

शनिवार को हर्षल अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। शनिवार को काले, नीले वस्त्र धारण कर इक्कावन या उन्नीस शनिवारों को व्रत करें। शरीर में तेल मालिश, तैल दान तथा पीपल के वृक्ष की पूजा करें। शनि मंत्र का यथाशक्ति रुद्राक्ष माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

चांदी की अंगूठी में आप सात से ग्यारह रत्ती का गोमेद बनवा कर शनिवार के दिन धारण करें। गोमेद के न मिलने पर आप कत्थई या काला-लाल हकीक भी पहन सकते हैं। इसे आप शुक्ल पक्ष में शनिवार के दिन, दायें हाथ की मध्यमा उंगली में, त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप राहु ग्रह की उपासना करें अथवा गणेश भगवान की आराधना करें। भगवान गणेश के अठ्ठाईशाक्षरी मंत्र 'ओम् श्रीं ह्रीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये वर वरद सर्व जनं मे वशमानय स्वाहा' का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा चतुर्थी के दिन व्रत करें एवं भगवान गणेश को मोदक भोग लगाएं। इस क्रिया को करने पर आप विभिन्न रोगों तथा समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि ऐसा संभव न हो सके तो भगवान गणेश के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके राहु के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु राहु के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

राहु गायत्री मंत्र - ॐ शिरोरूपाय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो राहुः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप राहु का ध्यान करें, मन में राहु की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें :

अर्धकायं महावीर्यं चंद्रादित्यविमर्दनम्।
सिंहिकागर्भसंभूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ राहु को अनुकूल बनाने हेतु राहु के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ अस्सी माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ भ्रौं भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः ॥ जप संख्या 18000 ॥

वनस्पति धारण

आप शनिवार के दिन एक इंच लंबी सफेद चंदन की जड़ ला कर, नीले धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या त्रिधातु या लोहे के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे हर्षल/राहु के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक शनिवार को एक बाल्टी या बर्तन में नागबेल, लोबान, तिल के पत्र, बचा, गडूची और तगर आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ राहु/हर्षल के प्रभाव क्षीण होकर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध इन सबको मिला कर, चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए, स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

राहु की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को राहु के पदार्थ-अभ्रक, लौह, तिल, नीला वस्त्र, छाग, ताम्र पात्र, सप्त धान्य, उड़द, गोमेद, काले पुष्प, तेल, कंबल, घोड़ा, रबड़ आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

राहु को अनुकूल बनाए रखने हेतु राहु यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शनिवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

